

डैनियल की पुस्तक - संख्या इक्कासी

लाओदीकियाई एडवेंटवाद में ऐतिहासिक संशोधनवाद का अनावरण: 'डेली' को लेकर विवाद की पड़ताल

Jeff Pippenger

2024-02-14

यदि आप परिणाम को गलत परिभाषित करते हैं, तो कारण-परिणाम के आधार पर तर्क करना निरर्थक है, जैसा कि 1888 में मिनीयापोलिस में हुई जनरल कॉन्फ्रेंस से जुड़ी परिस्थितियों और व्यक्तित्वों पर अधिकारपूर्ण ढंग से प्रवचन देने वाले लाओडिसियन एडवेंटिस्ट इतिहासकारों ने किया है। ईश्वरीय प्रेरित टिप्पणी उस घटना को कोरह, दाथान और अबीराम के विद्रोह की पुनरावृत्ति ठहराती है, जो उस दंडादेश से प्रेरित था जिसने उन्हें चालीस वर्ष तक मरुभूमि में भटकते रहने के लिए नियत कर दिया था, जब तक वे मर नहीं गए। वही दंडादेश लाओडिसियन एडवेंटवाद पर भी सुनाया गया था।

उस विद्रोह में गुप्त चर्चाएँ भी शामिल थीं, जहाँ विद्रोही इतनी चरम लाओदिकियाई अंधता में डूबे थे कि उन्हें यह समझ ही नहीं आता था कि परमेश्वर उनके बंद दरवाज़ों के पीछे होने वाली योजनाओं और विद्रोह से अवगत है। जैसे कोरह, दाथान और अबीराम अपने तंबुओं में छिपकर अपनी योजनाएँ बनाते थे और मूसा के विरुद्ध अपना विद्रोह फैलाते थे, वैसे ही 1888 के पुराने लोगों ने भी अपने घरों के बंद दरवाज़ों के पीछे छिपकर सिस्टर व्हाइट, उनके पुत्र और चुने हुए संदेशवाहकों के विरुद्ध षड्यंत्र रचे। उस समय से सिस्टर व्हाइट, जोन्स और वैगनर पर हमला किया जाना था।

एडवेंटवाद की चार पीढ़ियाँ, यहजेकेल अध्याय आठ में दर्शाए अनुसार, अपनी बगावत में क्रमशः बढ़ती गईं। भौतिक मंदिर और मानव मंदिर के भीतर के कल्पनाओं के कक्ष दुष्ट कल्पनाओं से जड़ जमा चुके थे, और लोगों की रक्षा के लिए नियुक्त प्राचीन पुरुषों पर आत्मवाद हावी हो गया। 1888 से पहले के समय में, उन प्राचीन पुरुषों ने पहले बाइबल के अधिकार पर और फिर "भविष्यद्वाणी की आत्मा" पर आक्षेप लगाए, और 1884 में प्रकट दर्शन समाप्त हो गए। केलॉग का सर्वेश्वरवादी आत्मवाद 1888 से पूर्व के इतिहास में पैर जमाने लगा, और 1888 दूसरी पीढ़ी के आगमन को चिह्नित करता है। एडवेंटिस्ट इतिहासकारों ने संभवतः उस सभा में प्रकट हुई बगावत की वास्तविक ऐतिहासिक गवाही को दर्ज नहीं किया होगा, लेकिन दैवीय प्रेरणा के अनुसार स्वर्गीय प्रहरियों ने "हर शब्द सुना और उसे दर्ज किया" — "स्वर्ग की पुस्तकों में उन शब्दों को।"

यहजेकेल की "चित्रों की गुप्त कोठरियाँ" द्वारा व्यक्त विद्रोह सच्ची नींवों पर एक हमले का प्रतीक था। यह भविष्यवक्ता स्त्री और चुने हुए संदेशवाहकों पर हमले का भी संकेत था, और इसने आत्मवाद के आगमन को चिह्नित किया। उस पीढ़ी में अगला बड़ा हमला शैतान द्वारा विलियम मिलर की आधारशिलाओं की मूल नींव के विरुद्ध किया जाने वाला था।

मिलर ने अपने सभी भविष्यवाणी-संबंधी अनुप्रयोगों की रूपरेखा इस समझ पर आधारित की कि दानिय्येल अध्याय आठ, पद तेरह की दो उजाड़ने वाली शक्तियाँ पहले मूर्तिपूजकता और उसके बाद पोपवाद का प्रतिनिधित्व करती थीं। 1901 में, जर्मनी में लाओदिकियाई एडवेंटवाद के एक नेता लुईस कॉनराडी ने यह पतित प्रोटेस्टेंट दृष्टिकोण पुनः प्रस्तुत किया कि दानिय्येल की पुस्तक में "नित्य" मसीह की पवित्रस्थान सेवा का प्रतिनिधित्व करता था।

1888 की मिनीयापोलिस की बैठक के बाद के ऐतिहासिक काल में, स्वास्थ्य कार्य के नेता का आत्मवाद उग्र होता गया; जोन्स और वैगनर के संदेश के अस्वीकार के दुष्परिणाम लगातार अपना असर दिखाते रहे, और नेताओं के बीच अलगाव बना रहा। नई शताब्दी की शुरुआत में, डब्ल्यू. डब्ल्यू. प्रेस्कॉट, एक लाओदीकियाई एडवेंटिस्ट नेता जिसे धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद के विद्यालयों से धर्मशास्त्रीय प्रमाणपत्र मिले थे, ने कॉनराडी के 'दैनिक' संबंधी मत को बढ़ावा

देने के लिए शैतानी चोला ओढ़ लिया; और जैसा कि हमेशा होता है, 'विजेता ही इतिहास लिखते हैं।'

पवित्र स्वर्गदूतों ने सच्चा इतिहास दर्ज किया, परंतु लाओदीकियाई एडवेंटिज़्म ने 'the daily' की मिलराइट समझ को अस्वीकार करने से उत्पन्न विवाद के संबंध में एक ऐतिहासिक रुख स्थापित किया, जिससे लाओदीकियाई एडवेंटिज़्म के किसी भी 'अशिक्षित' व्यक्ति को यह विश्वास हो जाता है कि 'the daily' की वह परिभाषा, जिसे सिस्टर वाइट ने 'स्वर्ग से निकाले गए स्वर्गदूतों' से आई हुई बताया था, वास्तव में एक सत्य सिद्धांत है। बीसवीं शताब्दी के प्रारंभिक वर्षों में W. W. प्रेस्कॉट ने 'The Protestant' शीर्षक से एक प्रकाशन निकालने का नेतृत्व किया। उस प्रकाशन का पूरा आधार यह सिखाना था कि 'the daily' के विषय में मिलर की समझ गलत थी, और यह कि धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद—जहाँ से मिलर ने अपने धर्मशास्त्रीय प्रमाणपत्र प्राप्त किए थे—मसीह पर शैतानी प्रतीक आरोपित करने में सही था। उस इतिहास में A. G. डैनियल्स (जनरल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष) ने, इस तथ्य के बावजूद कि सिस्टर वाइट ने 'the daily' पर मिलर के मत को सीधे तौर पर सही ठहराया था, सत्य के विरुद्ध शैतानी आक्रमण में प्रेस्कॉट के साथ हाथ मिला लिया।

प्रभु ने मुझे दिखाया कि 1843 का चार्ट उसके हाथ से निर्देशित था, और उसका कोई भी भाग बदला नहीं जाना चाहिए; संख्याएँ वैसी ही थीं जैसी वह चाहता था। उसका हाथ उस पर था और उसने कुछ संख्याओं में एक गलती को छिपा रखा था, ताकि जब तक उसका हाथ हटाया नहीं गया, कोई उसे देख न सके।

"तब मैंने 'Daily' के संबंध में देखा कि 'sacrifice' शब्द मनुष्य की बुद्धि से जोड़ा गया था और मूल पाठ का हिस्सा नहीं है; और यह कि प्रभु ने उसकी सही समझ उन लोगों को दी जिन्होंने न्याय के समय की पुकार दी। जब 1844 से पहले एकता विद्यमान थी, तो लगभग सभी 'Daily' की सही समझ पर एकमत थे; परन्तु 1844 के बाद, भ्रम के बीच अन्य विचारों को स्वीकार कर लिया गया है, और परिणामस्वरूप अंधकार और भ्रम छा गया है।" रिच्यू एंड हेराल्ड, 1 नवंबर, 1850.

जब प्रेस्कॉट और डैनियल्स ने "the daily" की सच्चाई पर हमला किया, उस समय इस विषय पर प्रेस्कॉट और डैनियल्स अल्पमत राय का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, और विवाद के दौरान इन दोनों पुरुषों के प्रति सिस्टर वाइट की सलाह यह थी कि वे चुप रहें, यद्यपि उन्होंने इसे अधिक कूटनीतिक शब्दों में कहा, जैसे, "मौन में ही आपकी बुद्धि है।" जब उन्होंने उनके गलत दृष्टिकोण के लिए उन्हें फटकारा, तो उन्होंने यह भी जोर दिया कि "the daily" का विषय परख का प्रश्न न बनाया जाए। इतिहास संशोधनवादी—और संशोधनवाद को एक ऐसी ऐतिहासिक पद्धति माना जाता है जिसका आरंभ कैथोलिक चर्च के जेसुइट आदेश से माना जाता है—ने "the daily" को परख का प्रश्न न बनाने संबंधी उनकी बातों का उपयोग इस सिद्धांत के ईमानदार मूल्यांकन को रोकने के लिए किया है। वे उनकी बातों का गलत निरूपण करते हैं, क्योंकि वे हमेशा यह बात छोड़ देते हैं कि जब सिस्टर वाइट ने "the daily" के विषय पर विवाद छेड़ने के विरुद्ध परामर्श दिया, तो उन्होंने अपनी बात को हमेशा "इस समय" या "वर्तमान परिस्थितियों में" जैसे शब्दों से सीमित किया था।

एक भविष्यवक्त्री के रूप में वह एक तेज़ी से बढ़ते विवाद पर लगाम लगाने की कोशिश कर रही थीं, जो समग्र कलीसिया में एक बड़ा विभाजन पैदा करने की कगार पर था; यह उन अल्पसंख्यक व्यक्तियों द्वारा उकसाया जा रहा था जो सोचते थे कि नेता होने के कारण जो कुछ वे सत्य ठहराएँ, उसे बढ़ावा देने का उन्हें अधिकार है। और प्रभु ने उनके प्रभाव के माध्यम से शैतानी कार्य को उनकी मृत्यु तक काबू में रखा। फिर 1931 में, "दैनिक" की सत्यता को अस्वीकार करने के लिए एक नया प्रयास किया गया, और अंततः वह सफल हो गया। आज "दैनिक" की परिभाषा की सच्ची समझ लाओदीकियाई एडवेंटवाद में अल्पसंख्यक समझ है, और वर्तमान परिस्थितियों में "दैनिक" अब निश्चय ही एक परीक्षा का प्रश्न है।

जब बहुमत का मत सही समझ पर था, तब यह कोई कसौटी नहीं थी; परन्तु जब किसी भी सत्य को त्रुटि घोषित कर दिया जाता है, तब वह कसौटी बन जाता है। जब "Manuscript Releases" शीर्षक वाली पांडुलिपियों का संकलन 1980 के दशक में, या उसके आसपास, प्रकाशित हुआ, तब एक ऐसा लेख पहचाना गया जो Prescott

और Daniells के "the daily" संबंधी दृष्टिकोण का उतना ही प्रत्यक्ष विरोध करता है, जितना प्रत्यक्ष उनका Miller के दृष्टिकोण का समर्थन है।

हमारे अनुभव के इस चरण में, हमारे मनो को हमारे सम्मेलन की महत्वपूर्ण सभा में विचार के लिए [हमें] दिया गया विशेष प्रकाश से हटाया नहीं जाना चाहिए। और वहाँ भाई डैनियल्स थे, जिनके मन पर शत्रु काम कर रहा था; और आपके मन और एल्डर प्रेस्कॉट के मन पर वे स्वर्गदूत काम कर रहे थे जिन्हें स्वर्ग से निष्कासित किया गया था। शैतान का कार्य था आपके मनो को भटका देना, ताकि ऐसे नुक्ते और बारीकियाँ बीच में लाई जाएँ जिन्हें लाने के लिए प्रभु ने आपको प्रेरित नहीं किया था। वे आवश्यक नहीं थे। परंतु यह सत्य के उद्देश्य के लिए बहुत मायने रखता था। और यदि आपके मन के विचार नुक्तों या बारीकियों की ओर खींचे जा सकते, तो यह शैतान की रची हुई योजना का काम है। आप यह मानते हैं कि लिखी हुई पुस्तकों में छोटी-छोटी बातों को सुधारना एक महान कार्य होगा। परंतु मुझे आदेश दिया गया है, 'मौन ही वाक्पटुता है।'

मुझे यह कहना है: अपनी नुक्ताचीनी बंद करो। यदि शैतान का यह उद्देश्य पूरा किया जा सके, तो आपको यह प्रतीत होता है कि आपकी कृति को अवधारणा की दृष्टि से अत्यंत अद्भुत माना जाएगा। शत्रु की योजना यह थी कि जिन विशेषताओं को तथाकथित आपत्तिजनक समझा जाता था, वे सब ऐसे बिंदुओं पर रखी जाएँ जिन पर हर वर्ग के लोग सहमत नहीं होते।

और फिर क्या? वही काम, जो शैतान को प्रसन्न करता है, पूरा हो जाएगा। जो हमारे विश्वास के नहीं हैं, ऐसे बाहरी लोगों को वही प्रस्तुति दी जाएगी जो उन्हें अनुकूल लगे, जो ऐसे चरित्र-गुण विकसित करेगी, जो भारी भ्रम पैदा करेंगे और उन सुनहरे क्षणों को घेर लेंगे जिन्हें लोगों के सामने महान संदेश उत्साहपूर्वक रखने के लिए उपयोग किया जाना चाहिए। जिन विषयों पर हमने काम किया है, उन पर दी गई प्रस्तुतियाँ सब एक-दूसरे से सामंजस्य नहीं बिठा सकेंगी, और परिणाम यह होगा कि विश्वासियों और अविश्वासियों दोनों के मन भ्रमित हो जाएँगे। यही वह बात है जिसकी योजना शैतान ने बनाई थी कि घटे—एसी कोई भी चीज़ जिसे मतभेद के रूप में बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा सके।

यहेजकेल का अध्याय 28 पढ़ो। अब, यहाँ एक महान कार्य है, जहाँ विचित्र आत्माएँ उभरकर सामने आ सकती हैं। परन्तु प्रभु का एक कार्य है, जिसे नाश हो रही आत्माओं को बचाने के लिए किया [जाना] है; और जिन जगहों को शैतान, भेष बदलकर, भर सकता था, हमारी पंक्तियों में भ्रम उत्पन्न करते हुए, वह उन्हें पूर्णता से करेगा, और वे सब छोटे-छोटे मतभेद बढ़कर बड़े और प्रमुख हो जाएंगे।

और मुझे आरम्भ से ही दिखाया गया था कि प्रभु ने न तो एल्डर डैनियल्स और न ही एल्डर प्रेस्कॉट को इस कार्य का भार दिया था। यदि शैतान की चालें भीतर लाई जाएँ, क्या यह "डेली" इतना बड़ा मामला हो कि इसे लाकर लोगों के मन को भ्रमित किया जाए और समय के इस महत्वपूर्ण काल में कार्य की उन्नति में बाधा डाली जाए? ऐसा नहीं होना चाहिए, चाहे कुछ भी हो। इस विषय को प्रस्तुत नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि जो आत्मा इसके साथ आएगी वह रोकनेवाली होगी, और लूसिफर हर एक गतिविधि पर नज़र रख रहा है। शैतानी शक्तियाँ अपना काम शुरू कर देंगी और हमारी पंक्तियों में भ्रम उत्पन्न कर दिया जाएगा। जो कसौटी का प्रश्न नहीं है, ऐसे मतभेदों को खोजने का तुम्हें कोई बुलावा नहीं; पर तुम्हारा मौन ही बहुत कुछ कह देता है। यह विषय मेरे सामने पूरी स्पष्टता से है। यदि शैतान, जैसा कि उसने करने का मन बनाया है, इन विषयों पर हमारे अपने किसी भी व्यक्ति को उलझा सके, तो शैतान का पक्ष विजयी हो जाएगा। अब कार्य को बिना विलंब हाथ में लिया जाना चाहिए और मत की कोई [भिन्नता] व्यक्त नहीं की जानी चाहिए।

शैतान उन लोगों को, जो हमसे अलग हो गए हैं, प्रेरित करेगा कि वे दुष्ट स्वर्गदूतों के साथ मिलकर महत्वहीन प्रश्नों पर हमारे काम को बाधित करें, और शत्रु के शिविर में कितना हर्ष [वहाँ] होगा। एकजुट हो जाओ, एकजुट हो जाओ। हर मतभेद को दफना दो। अब हमारा काम है कि हम अपनी समस्त शारीरिक और मस्तिष्क-तंत्रिका शक्ति इन मतभेदों को रास्ते से हटाने और सबको सामंजस्य में लाने में लगा दें। यदि शैतान को अपनी महान अपवित्र बुद्धि के साथ ज़रा-सी भी पकड़ बनाने की अनुमति मिल जाए, [वह आनंदित होगा]।

अब, जब मैंने देखा कि आप कैसे काम कर रहे थे, तो मेरे मन ने पूरी स्थिति और उसके परिणामों को समझ लिया कि यदि आप आगे बढ़ते और उन लोगों को, जो हमें छोड़ चुके हैं, हमारी पंक्तियों में भ्रम पैदा करने का थोड़ा भी अवसर दे देते, तो क्या होता। आपकी बुद्धि की कमी वैसी ही होती जैसी शैतान चाहता है। आपकी जोरदार घोषणा पवित्र आत्मा की प्रेरणा के अधीन नहीं थी। मुझे आपको यह कहने के लिए निर्देश दिया गया कि जिन पुरुषों को परमेश्वर ने मार्गदर्शन दिया है, उनकी रचनाओं में दोष निकालना परमेश्वर से प्रेरित नहीं है। और यदि यही वह बुद्धि है जो एल्डर डैनियल्स लोगों को देंगे, तो किसी भी दशा में उन्हें कोई आधिकारिक पद न दें, क्योंकि वे कारण से परिणाम तक तर्क नहीं कर सकते। इस विषय पर आपका मौन ही आपकी बुद्धिमानी है। अब, जो पुरुष जीवित नहीं हैं, उनके प्रकाशनों में दोष निकालना वह कार्य नहीं है जो परमेश्वर ने आप में से किसी को करने के लिए दिया है। क्योंकि यदि इन पुरुषों—एल्डर डैनियल्स और प्रेस्कॉट—ने नगरों में कार्य करने के लिए दिए गए निर्देशों का पालन किया होता, तो अनेक, बहुत ही अधिक, सत्य के विषय में आश्चर्य होकर परिवर्तित हो गए होते—वे समर्थ पुरुष जो [अब] ऐसे पदों पर हैं कि उन तक कभी पहुँचा नहीं जा सकेगा।

समस्त संसार को एक बड़े परिवार के रूप में देखा जाना चाहिए। और जब आपके पास ज्ञान का ऐसा स्रोत है, जिससे आप लाभ उठा सकते हैं, तो आपने हमारे प्रभु यीशु मसीह द्वारा दी गई गवाहियों के रहते हुए भी संसार को वर्षों तक नष्ट होने के लिए क्यों छोड़ दिया? सच्चा धर्म हमें यह सिखाता है कि हर पुरुष और हर स्त्री को ऐसे व्यक्ति के रूप में देखें, जिसके प्रति हम भलाई कर सकते हैं।

"यह कई वर्षों से प्रकाशित है: 'एक संतुलित मन', एल्डर एंड्रूज़ के लिए गवाही। मन को ऐसा विकसित किया जा सकता है कि वह यह जानने की शक्ति बन जाए कि कब बोलना है और कौन-से भार उठाने और वहन करने हैं, क्योंकि मसीह आपके शिक्षक हैं। और मुझे आपके लिए बहुत भय लगा [जब मैंने आपको देखा] कि आप अपनी बुद्धि का महिमामंडन कर रहे हैं और ऐसे मार्ग पर चल रहे हैं जो मतभेद उत्पन्न करता है। प्रभु ऐसे बुद्धिमान पुरुषों को बुलाते हैं जो उस समय अपनी चुप्पी साथ सकें जब उनके लिए ऐसा करना [हो] बुद्धिमानी हो। यदि आप एक संपूर्ण व्यक्ति होना चाहते हैं, तो आपको यीशु मसीह के द्वारा पवित्रीकरण की आवश्यकता है। अब एक काम अभी-अभी शुरू हुआ है, और हर सेवक में, हर [एक] सम्मेलन के अध्यक्ष में बुद्धि दिखाई दे। पर यहाँ एक ऐसा काम था, जिसे वर्षों पहले आपको संभालना चाहिए था, जहाँ इसी काम के लिए आपको अपनी आवाज़ उठानी थी। मसीह ने अपने सब लोगों को यह विशेष निर्देश दिए कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं करना है। और प्रभु की धार्मिकता को कार्यरूप में प्रकट करने के लिए हमारे पास थोड़ा समय शेष है। आप प्रभु का मार्ग समझ सकते हैं। जब आपको अध्यक्ष बनाया गया, तब मैंने आपका यह उद्देश्य देखा कि आप कार्यों को अपनी ही योजनाओं के अनुसार चलाएँगे। आपने सोचा था कि आप अद्भुत काम करेंगे, जो ऐसा काम था जिसे परमेश्वर ने आपके हाथों में नहीं दिया था। अब, यदि प्रभु ने आपको सेवा के लिए स्वीकार किया है, तो आपका काम अत्याचार करना नहीं, बल्कि जहाँ तक संभव हो हर अभाव को दूर करना है। परन्तु आपने बहुत आरंभ में ही यह प्रमाण दे दिया कि बुद्धि और पवित्रीकृत विवेक आप में प्रकट नहीं हुआ। आपने ऐसे विषय उठा दिए जो तब तक स्वीकार नहीं किए जाते जब तक प्रभु प्रकाश न दें।"

मुझे यह निर्देश दिया गया है कि ऐसी जल्दबाजी में की गई कार्यवाहियाँ, जैसे कि आपको सम्मेलन का अध्यक्ष एक और वर्ष के लिए चुनना, नहीं की जानी चाहिए थीं। परंतु प्रभु ऐसी और कोई जल्दबाजी वाली कार्यवाहियाँ अनुमति नहीं देते, जब तक कि इस विषय को प्रार्थना में प्रभु के सामने न लाया जाए; और चूँकि आपको यह संदेश मिल चुका है कि अध्यक्ष पर न्यस्त प्रभु का कार्य अत्यंत गंभीर दायित्व है, इसलिए 'Daily' के विषय में जिस तरह आप भड़क उठे, वैसा करने और यह मान लेने का कि आपके प्रभाव से ही प्रश्न तय हो जाएगा, आपका कोई नैतिक अधिकार नहीं था। वहाँ एल्डर हैस्केल थे, जिन्होंने भारी जिम्मेदारियाँ उठाई हैं, और एल्डर इरविन हैं, और ऐसे कई पुरुष हैं जिनका मैं उल्लेख कर सकता हूँ, जिन पर भारी जिम्मेदारियाँ हैं।

वयोवृद्ध पुरुषों के प्रति आपका सम्मान कहाँ था? सभी उत्तरदायी पुरुषों को साथ लेकर विषय को तौलने के बिना आप कौन-सा अधिकार प्रयोग कर सकते थे? पर अब हम इस विषय की जाँच करें। अब हमें पुनर्विचार करना चाहिए कि उपेक्षित पड़े कार्य के मद्देनज़र, कार्य को एक और वर्ष तक आगे बढ़ाने के लिए अपना उत्साह

दिखाना क्या प्रभु का निर्णय है। यदि आप, जो सहायता आपके साथ जुड़ने वाली है, उसके साथ यह कार्य एक और वर्ष आगे बढ़ाएँ, तो आप में और एल्डर प्रेस्कॉट में परिवर्तन होना चाहिए। और अपने हृदयों को परमेश्वर के सामने नम्र करें। प्रभु को आप में एक भिन्न अनुभव का प्रमाण दिखाई देना चाहिए, क्योंकि यदि कभी किसी को इस वर्तमान [समय] में पुनः परिवर्तित होने की आवश्यकता है, तो वह [हैं] एल्डर डैनियल्स और एल्डर प्रेस्कॉट।

सात ऐसे पुरुष चुने जाएँ जो बुद्धिमान हों और परमेश्वर के अनुग्रह के कार्य के द्वारा पुनः-परिवर्तन [का] प्रमाण [दें]। क्योंकि जो लोग इतने अंधे हो गए हैं कि वे कारण से परिणाम तक तर्क नहीं कर सकते, [कि] वे उन पुरुषों की भी अनदेखी कर दें जिन्होंने कार्य की जिम्मेदारियाँ उठाई हैं, और इन सम्मेलनों के अध्यक्षों की भी; [कि] उन पुरुषों को, [जो] दो वर्षों से अधिक समय तक यह कार्य संभाले हुए हैं, नज़रअंदाज़ कर दिया जाए; और ऐसा आवेगजनित परिणाम हो कि लोग उसी कार्य की उपेक्षा कर दें जो वर्षों से उनके सामने रखा गया है—शहरों में काम करना—और परामर्श के लिए बुजुर्ग पुरुषों को कोई, या बहुत ही थोड़ा, ध्यान [दिया] जाए, परन्तु वे वही बातें घोषित करें जो वे लोगों को देना चुनते हैं,—तो यह सब स्वयं इस बात की गवाही देता है कि ऐसे पुरुषों पर ऐसा महान और अद्भुत कार्य सौंपना सुरक्षित नहीं है।

मसीह मृत नहीं हैं। वह कभी यह अनुमति नहीं देंगे कि उनका कार्य इस विचित्र तरीके से आगे बढ़ाया जाए। पुस्तकों को यथावत रहने दें। यदि कोई परिवर्तन आवश्यक है, तो परमेश्वर उस परिवर्तन में भी सामंजस्य और सुसंगति सुनिश्चित करेंगे; परन्तु जब एक संदेश मनुष्यों को उससे जुड़ी बड़ी जिम्मेदारियों सहित सौंपा गया है, तो [परमेश्वर] ऐसी विश्वासयोग्यता की माँग करते हैं जो प्रेम के द्वारा कार्य करे और आत्मा को शुद्ध करे। एल्डर Daniells और एल्डर Prescott, दोनों को पुनः परिवर्तन की आवश्यकता है। एक विचित्र कार्य चलन में आ गया है, और वह उस कार्य के साथ सामंजस्य में नहीं है जिसके लिए मसीह हमारे संसार में आए थे; और जो सचमुच परिवर्तित हैं, वे मसीह के कार्य करेंगे।

हम सब [को] वह कार्य पूरा करना है जो पिता की महिमा करेगा। हम संकट पर आ पहुँचे हैं—या तो इसी तैयारी के समय में यीशु मसीह के चरित्र के अनुरूप बनें, या फिर [उसका] प्रयास ही न करें। एल्डर डैनियल्स, [आपको नहीं] यह स्वतंत्रता महसूस करनी चाहिए कि आपकी आवाज़ उच्च स्वर में सुनी जाए, जैसा आपने समान परिस्थितियों में किया है। और यह समझ लें, किसी सम्मेलन का अध्यक्ष कोई शासक नहीं होता। वह उन बुद्धिमान पुरुषों के साथ मिलकर काम करता है जो अध्यक्ष के पद पर आसीन हैं और जिन्हें परमेश्वर ने स्वीकार किया है। उसे उन मुद्रित पुस्तकों की रचनाओं में दखल देने की स्वतंत्रता नहीं है जो उन कलमों से निकली हैं जिन्हें परमेश्वर ने स्वीकार किया है। अब उन्हें प्रभुत्व नहीं जमाना चाहिए, जब तक कि वे शासन करने, हावी होने वाली शक्ति को कम न दिखाएँ। संकट आ गया है, क्योंकि परमेश्वर का अनादर होगा।

अप्रचारित नगरों को प्रभु किस दृष्टि से देखते हैं? मसीह स्वर्ग में हैं। अब यह स्वीकार किया जाना है: 'यहाँ कोई राजसी शासन नहीं है। और अब इस संसार का संकटकाल है। अब बचाने या नाश करने की शक्ति मैं ही हूँ। अब वह समय है जब सबका भाग्य मेरे हाथ में है। मैंने जगत के उद्धार के लिए अपना जीवन दे दिया है। और "मैं, यदि मुझे ऊँचा किया जाए,"— जो उद्धार का अनुग्रह मैं प्रदान करूँगा, वह यह सिद्ध करेगा कि जो सभी दिव्य प्रतिरूप के अनुसार ढाले जाएँगे और मेरे साथ एक हो जाएँगे, वे मेरे छुड़ानेवाले अनुग्रह की सामर्थ्य से वैसे ही कार्य करेंगे जैसे मैं करता हूँ।' जो कोई चाहे, [वह] प्रभु के दिए हुए परामर्श के अधीन, उत्तरदायी स्थानों पर रहते हुए, उन्हें दिया गया कार्य करने में अपने भाइयों के साथ मिलकर हाथ बाँटाए, और उस के साथ पूर्ण सामंजस्य में काम करने का सबसे गंभीर प्रयास करे, जिसने संसार से ऐसा प्रेम किया कि उसने संसार के उद्धार के लिए अपना जीवन पूर्ण बलिदान स्वरूप दे दिया। मैं हमारे सेवकों से कहता हूँ कि जब वे हमारे नगरों में कार्य आरंभ करें, तो वचन की सेवा के साथ एक शांत, पवित्र गरिमा बनी रहे। यदि हम . . .

मैं अपनी डायरी से उद्धरण दे रहा हूँ। यीशु में जैसा सत्य है—उसके बारे में बोलो, उसके लिए प्रार्थना करो, और उसके हर वचन पर सरलता से विश्वास करो। यदि गलतियाँ उन लोगों के सामने रखी जाएँ जिन्होंने विश्वास से भटककर बहकाने वाली आत्माओं की बातों पर ध्यान दिया है—वे लोग जो कुछ समय पहले तक हमारे साथ विश्वास में थे—तो आपको क्या लाभ होगा? क्या आप शैतान के पक्ष में खड़े होंगे? अपना ध्यान उन क्षेत्रों पर दो

जिनमें अभी काम नहीं हुआ है। हमारे सामने एक विश्वव्यापी कार्य है। मुझे जॉन केलॉग के संबंध में कुछ दृश्य दिखाए गए।

"एक अत्यंत आकर्षक व्यक्तित्व उसके प्रस्तुत किए जा रहे छलपूर्ण तर्कों के विचारों का प्रतिनिधित्व कर रहा था, ऐसे विचार जो वास्तविक बाइबिलीय सत्य से भिन्न थे। और जो लोग कुछ नया पाने के लिए भूखे-प्यासे थे, वे [इतने छलपूर्ण] विचार प्रचारित कर रहे थे कि एल्डर प्रेस्कॉट बड़े खतरे में थे। एल्डर डैनियल्स इस भ्रम में फँस जाने के बड़े खतरे में थे कि यदि ये विचार हर जगह व्यक्त किए जा सकें तो मानो एक नई दुनिया हो जाएगी।"

हाँ, ऐसा होता, परन्तु जब उनके मन इस प्रकार तल्लीन थे, मुझे दिखाया गया कि भाई डैनियल्स और भाई प्रेस्कॉट अपने अनुभव में आध्यात्मिक[वादी] स्वरूप वाली भावनाएँ बुन रहे थे और हमारे लोगों को सुंदर भावनाओं की ओर आकर्षित कर रहे थे जो, यदि संभव हो, तो स्वयं निर्वाचितों को भी धोखा दे दें। मुझे यह [तथ्य] अपनी कलम से दर्ज करना है कि ये भाई अपनी भ्रमपूर्ण धारणाओं में ऐसी त्रुटियाँ देखेंगे जो सत्य को अनिश्चितता में डाल देंगी; और [फिर भी] वे [होंगे] ऐसे प्रकट मानो उनके पास महान आध्यात्मिक विवेक हो। अब मुझे उन्हें [यह] बताना है कि जब मुझे यह विषय दिखाया गया, जब एल्डर डैनियल्स 'Daily' के विषय में अपनी धारणाओं का समर्थन करते हुए अपनी आवाज़ तुरही की तरह ऊँची उठा रहे थे, तो उसके बाद के परिणाम मुझे दिखाए गए। हमारे लोग भ्रमित हो रहे थे। मैंने परिणाम देखा, और तब मुझे चेतावनियाँ दी गईं कि यदि एल्डर डैनियल्स परिणाम की परवाह किए बिना इसी प्रकार प्रभावित हों और स्वयं को यह मानने दें कि वे परमेश्वर की प्रेरणा के अधीन हैं, तो संदेहवाद हमारी पंक्तियों में हर जगह बोया जाएगा, और हम उस स्थिति में होंगे जहाँ शैतान अपने संदेश पहुँचाएगा। दृढ़ अविश्वास और संदेहवाद मानव मनों में बोए जाएँगे, और बुराई की अजीब फसलें सत्य का स्थान ले लेंगी। मैन्युस्क्रिप्ट रिलीज़ेस, खंड 20, 17-22.

दूसरी पीढ़ी का इतिहास विद्रोह में बढ़ती तीव्रता को दर्शाता है। यहजेकेल के "चित्रों के कक्ष" द्वारा प्रस्तुत आध्यात्मिकवाद यह दर्शाता है कि "भाई Daniells और भाई Prescott अपने अनुभव में आध्यात्मिकवादी आभा वाले भाव बुन रहे थे और हमारे लोगों को ऐसे सुन्दर भावों की ओर खींच रहे थे जो, यदि संभव हो, तो चुने हुएों को भी धोखा दें।" "the daily" की गलत समझ से जुड़ा आध्यात्मिकवाद उस सम्भावित छल का प्रतीक है जो, यदि संभव हो, तो चुने हुएों को भी धोखा दे सकता है। वह Kellogg द्वारा प्रोत्साहित किए जा रहे सर्वेश्वरवाद के आध्यात्मिकवाद को Prescott और Daniells की इस मुहिम के साथ जोड़ती है कि "the daily" को मसीह की पवित्रस्थान-सेवकाई के रूप में परिभाषित किया जाए।

वह उन्हें कहती है कि पुस्तकों को वैसे ही छोड़ दें; यह कहते हुए वह Prescott और Daniells द्वारा Uriah Smith की पुस्तक Daniel and the Revelation को फिर से लिखवाने के दबाव को संबोधित कर रही थीं, ताकि उसकी वह शिक्षा हटाई जा सके जिसमें "the daily" की पहचान ठीक वैसे ही की गई थी जैसे Miller ने की थी। Laodicea के ऐतिहासिक संशोधनवादी, जिन्हें Isaiah "the learned" के रूप में पहचानता है, Adventism के अनभिज्ञ लोगों पर एक अद्भुत काम कर चुके हैं, क्योंकि उन्होंने इतिहास की गवाही को तोड़-मरोड़ कर ऐसे लोगों को—जो मनभावनी बातें सुनना चाहते हैं और जिनकी अध्ययन की आदतें सतही हैं—यह सोचने पर मजबूर किया है कि "the daily" का विषय महत्वहीन है, और कि Miller इस विषय में गलत था। संशोधन का वह काम उस कचरे का हिस्सा है जिसे Miller को दिखाया गया था कि उसे "dirt brush man" द्वारा बुहार कर हटाया जाएगा, उस समय जब Midnight Cry में परमेश्वर की शक्ति का प्रकटीकरण फिर दोहराया जाएगा।

हम अगले लेख में लाओदीकियाई एडवेंटवाद की दूसरी पीढ़ी पर अपनी चर्चा जारी रखेंगे।

'आगे बढ़ो' का संदेश अब भी सुना और आदर किया जाना चाहिए। हमारी दुनिया में घट रही विविध परिस्थितियाँ ऐसे परिश्रम की माँग करती हैं जो इन विशिष्ट परिवर्तनों का सामना कर सकें। प्रभु को ऐसे पुरुषों की आवश्यकता है जो आत्मिक रूप से तीक्ष्ण और स्पष्टदर्शी हों—पवित्र आत्मा द्वारा गढ़े हुए पुरुष—जो निश्चय ही स्वर्ग से ताज़ा मन्ना प्राप्त कर रहे हैं। ऐसे लोगों के मनों पर परमेश्वर का वचन प्रकाश की चमक बिखेरता है, और उन्हें पहले से भी अधिक स्पष्ट रूप से सुरक्षित मार्ग दिखाता है। पवित्र आत्मा मन और हृदय पर कार्य करता है।

वह समय आ गया है जब परमेश्वर के दूतों के माध्यम से संसार के सामने चर्मपत्र खोला जा रहा है। हमारे विद्यालयों के अध्यापकों को कभी इस कहकर बाँधकर नहीं रखा जाना चाहिए कि वे केवल वही पढ़ाएँ जो अब तक पढ़ाया जाता रहा है। इन प्रतिबंधों को दूर किया जाए। एक परमेश्वर है जो अपने लोगों को वह संदेश देता है जिसे उन्हें बोलना है। किसी भी उपदेशक को यह महसूस न होने दिया जाए कि वह बंधनों में है, और न ही मनुष्यों के मापदंडों से उसका आकलन किया जाए। सुसमाचार की पूर्ति परमेश्वर द्वारा भेजे गए संदेशों के अनुसार होनी चाहिए। आज परमेश्वर अपने दासों को जो बोलने के लिए देता है, वह संभवतः बीस वर्ष पहले 'वर्तमान सत्य' नहीं रहा होगा, पर यह इसी समय के लिए परमेश्वर का संदेश है। 1888 की सामग्रियाँ, 133.